'एमएसएमई आर्थिक विकास की रीढ़'

जागरण संवाददाता, नोएडा : भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में विश्व एमएसएमई दिवस 2025 का आयोजन हुआ। इसमें 300 से अधिक वैश्विक नवप्रवर्तक, राजनयिक और एमएसएमई नेता शामिल हुए। इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई को सशक्त बनाना, उसे नवाचार, स्थिरता और डिजिटल भविष्य की ओर उन्मुख करना है। इस वर्ष के आयोजन की थीम टिकाऊ और डिजिटल भविष्य के लिए एमएसएमई को सशक्त बनाना व नवाचार, लचीलापन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पर आधारित थी।

इसमें 12 देशों के राजदूत, 24 वरिष्ठ राजनयिक, स्टार्टअप संस्थापक, हरित अर्थव्यवस्था के नेता और कई एमएसएमई पुरस्कार विजेताओं ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि सांसद मनोज तिवारी रहे। उन्होंने 30 से अधिक जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों को वासमे एक्सीलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई से ही आत्मनिर्भर भारत संभव है।

दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद उद्यमी • सौ. वासमे प्रबंधन

सेक्टर-16 ए फिल्म सिटी स्थित वर्ल्ड एसोसिएशन फार स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज (वासमे) के कार्यकारी सचिव डा. संजीव लायक ने कहा हम केवल एक दिवस नहीं मना रहे, बल्कि एक वैश्विक आंदोलन शुरू कर रहे हैं। एमएसएमई न केवल आर्थिक विकास की रीढ़ हैं, बल्कि वे जलवायु नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और शांति के निर्माता भी हैं। कार्यक्रम में रवांडा, सूडान, दक्षिण अफ्रीका, यूके, आस्ट्रेलिया और लेसोथो सहित कई देशों के राजनयिकों ने इस आयोजन में भाग लिया और एमएसएमई के वैश्विक सहयोग को बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।